13

0331CH13

पेड़ों की अम्मा ‘थिमक्का’

ये श्रीमती थिमक्का हैं। थिमक्का को ‘अम्मा’ और ‘वृक्षमाता’ के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म कर्नाटक के तुमकुरु जिले में हुआ था। ये कर्नाटक में ही रहती हैं। पिछले ८० वर्षों से थिमक्का सड़कों के किनारे पौधे लगा रही हैं। पैसे की कमी के कारण अम्मा ने आरंभ में एक खान में श्रमिक के रूप में काम किया था। थिमक्का ‘सालूमरदा थिमक्का’ के नाम से भी जानी जाती हैं। ‘सालूमरदा’ कन्नड़ भाषा में पेड़ों की पंक्ति को कहते हैं। अत: उन्हें इस नाम से भी जाना जाता है।

थिमक्का हुलिकल और कुदुर के बीच स्थित ४५ किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर लगभग ३८५ बरगद के पेड़ लगाने के लिए विख्यात हैं। इन पेड़ों के कारण राजमार्ग अत्यंत रमणीय और सुसज्जित लगने लगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने अनेक स्थानों पर पेड़ लगाए जिनकी संख्या ८००० से अधिक है। इनसे पर्यावरण को बहुत लाभ हुआ। इस कार्य में उन्हें उनके पति ने भी पूरा सहयोग दिया।

उनके इस महत्वपूर्ण काम के लिए भारत सरकार ने उन्हें वर्ष २०१९ में पद्मश्री से सम्मानित किया।

© NCERT not to be republished

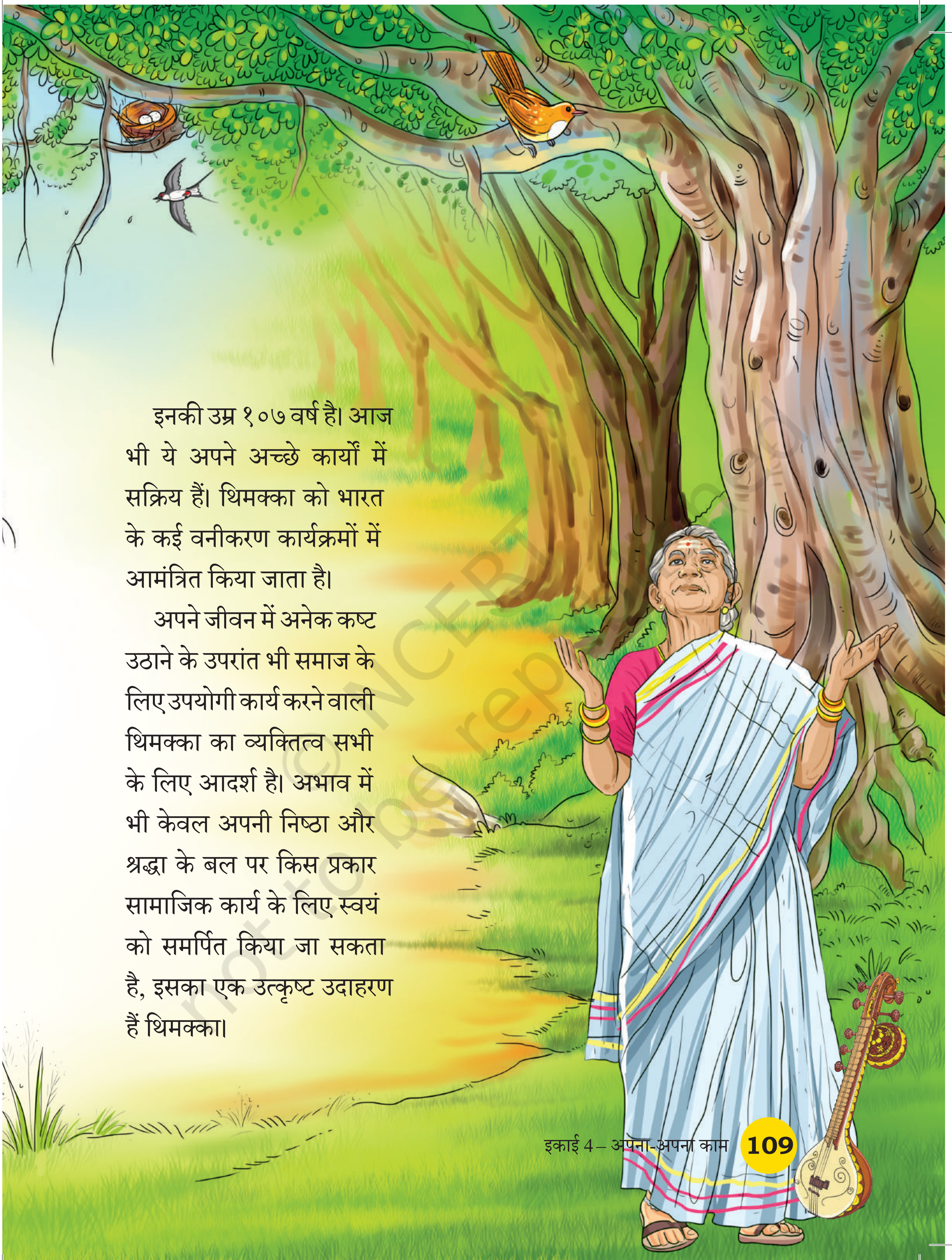

इनकी उम्र १०७ वर्ष है। आज भी ये अपने अच्छे कार्यों में सक्रिय हैं। थिमक्का को भारत के कई वनीकरण कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता है।

अपने जीवन में अनेक कष्ट उठाने के उपरांत भी समाज के लिए उपयोगी कार्य करने वाली थिमक्का का व्यक्तित्व सभी के लिए आदर्श है। अभाव में भी केवल अपनी निष्ठा और श्रद्धा के बल पर किस प्रकार सामाजिक कार्य के लिए स्वयं को समर्पित किया जा सकता है, इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं थिमक्का।

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 109 16-Apr-24 3:40:53 PM

बातचीत के लिए

1. पेड़ हमारे किस-किस काम आते हैं?
2. क्या आपने कभी किसी पौधे की देखभाल की है? कैसे?
3. यदि आपको समाज के लिए उपयोगी काम करने का अवसर मिले तो आप कौन-सा काम करेंगे?

सोचिए और लिखिए

1. थिमक्का अपने किस काम के कारण प्रसिद्ध हुईं?
2. थिमक्का को और किस-किस नाम से जाना जाता है?
3. अम्मा ने बरगद के पौधे लगाने क्यों शुरू किए थे?
4. इतने सारे पेड़ लगाने के लिए अम्मा को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा होगा?

पाठ के आगे

1. यदि आपको थिमक्का अम्मा का परिचय देना हो तो आप कैसे देंगे?

थिमक्का अम्मा ....

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 110 09-Apr-24 10:41:24 AM

2. यदि आपको अम्मा के काम में उनकी सहायता करने का अवसर मिले तो आप कैसे करेंगे?

....
....
....

भाषा की बात

1. 'थिमक्का' में 'क्का' आया है। ऐसे व्यंजनों को द्वित्व व्यंजन कहते हैं। ऐसे और शब्द सोचकर दिए गए स्थान पर लिखिए—

रस्सी	....
....	....
....	....

2. पेड़ को वृक्ष भी कहा जाता है। क्या आप बता सकते हैं कि अलग-अलग भाषाओं में पेड़ को क्या-क्या कहा जाता है—

....

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 111 09-Apr-24 10:41:25 AM

3. **कई बार, हम एक वर्ण और एक अक्षर को मिलाकर एक नया 'संयुक्त अक्षर' बनाते हैं, जैसे –**

संयुक्ताक्षर	उदाहरण		
क् + ष = क्ष	क्षमा	दक्ष	पक्ष
ज् + ञ = ज्ञ	ज्ञान	विज्ञान	आज्ञा
त् + र = त्र	पत्र	चित्र	मित्र
श् + र = श्र	श्रम	आश्रम	श्रमिक

उपरोक्त उदाहरणों के आधार पर नीचे दिए गए चित्रों को देखकर शब्द पूरे कीजिए—

वृ..........

ने..........

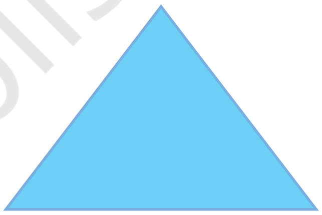

..........भुज

क..........

..........मिक

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 112 09-Apr-24 10:41:27 AM

कुछ नया करें

1. आपने थिमक्का के बारे में पढ़ा और उनके काम से प्रेरित हुए। थिमक्का को एक पत्र लिखकर उन्हें अपने मन की बात बताइए—

....

पूज्य अम्मा,

सादर प्रणाम!

....

....

....

....

....

....

2. चित्र देखकर उन वस्तुओं पर गोला ◯ बनाएँ जो हमें पेड़ों से मिलती हैं—

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 113 09-Apr-24 10:41:32 AM